This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. .....

5979 **A**

Concurrent Course for Honours Prog.

(Credit Course)

SANSKRIT LANGUAGE

Time : 2 *Hours* *Maximum Marks* : 50

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.
अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note : The maximum marks printed on the question paper are applicable for the candidates registered with the School of Open Learning for the B.A. (Hons.). These marks will however be scaled down proportionately in respect of the students of regular colleges at the time of posting of awards for compilation of result.

[P.T.O.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

1. रघुवंश के प्रथम सर्ग की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

   Discuss the plot of the Canto I of Raghuvaṁs'a. 7

   अथवा (*Or*)

   कालिदास की शैली पर टिप्पणी कीजिये।

   Write a note on the style of Kālidāsa.

2. निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

   Explain the following with reference to the context : 5

   अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन्पूर्वसूरिभिः।

   मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः।।

   अथवा (*Or*)

   ईप्सितं तदवज्ञानाद्विद्धि सार्गलमात्मनः।

   प्रतिबध्नाति हि श्रेयः पूज्यपूजाव्यतिक्रमः।।

3. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिये :

   Translate the following : 3

   तस्य संवृतमन्त्रस्य गूढाकारेङ्गितस्य च।

   फलानुमेयाः प्रारम्भाः संस्काराः प्राक्तना इव।

   अथवा (*Or*)

   सेकान्ते मुनिकन्याभिस्तत्क्षणोज्झितवृक्षकम्।

   विश्वासाय विहङ्गानामालवालाम्बुपायिनाम्।।

4. भास के नाटक 'दूतवाक्यम्' के नामकरण पर प्रकाश डालिए।

   Justify the title of the drama 'Dūtavākyam' of Bhasa. 10

अथवा (*Or*)

दुर्योधन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Describe the character of Duryodhana.

5. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

Translate the following : 5

ग्रहणमुपगते तु वासुभद्रे हतनयना इव पाण्डवा भवेयुः।
गतिमतिरहितेषु पाण्डवेषु क्षितिरखिलापि भवेन्ममासपत्ना।।

अथवा (*Or*)

सृजसि यदि समन्ताद् देवमायाः स्वमायाः
प्रहरसि यदि वा त्वं दुर्निवारैः सुरास्त्रैः।
दृयगजवृषभाणां पातनाज्जातदर्पो
नरपतिगणमध्ये बध्यसे त्वं मयाद्य।।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

Correct any *four* sentences of the following : 4

(i) यूयं पठसि।

(ii) हस्ती शुनं धावयति।

(iii) अहं कथामि-सत्यं वद।

(iv) गोपालः गृहे गच्छति।

(v) गुरूः शिष्यान् धर्मं शास्ति।

(vi) धिक् मूर्खाय।

(vii) रामः बाणेन हतो बाली।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

Make sentences using any *four* words of the following : 8

वन्दे, लोभात्, आसीत्, पिता, गां, पत्नी, पश्यामि।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(i) उन दोनों को दूध पीना चाहिए।

(ii) सीता भात पकाती है।

(iii) वह आँख से काना है।

(iv) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(v) वह पतीली में पकाता है।

(vi) कालिदास कवियों में श्रेष्ठ हैं।

(vii) राम कलम से लिखता है।

Translate in Sanskrit any *four* sentences of the following : 8

(i) Both of them should drink the milk.

(ii) Sita cooks rice.

(iii) He is blind of one eye.

(iv) The leaves fall from the tree.

(v) He cooks in the pot.

(vi) Kalidasa is best among the poets.

(vii) Rama writes with the pen.